मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD-24

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.एच.डी.-24 : मध्यकालीन कविता—2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) रहिमन चाक कुम्हार को, माँगे दिया न देइ।

छेद में डंडा डारि कै, चहै नाँद लै लेइ॥

(ख) आपने आपने ठौरनि तो भुवपाल सबै भुव पालै सदाई।

केवल नामहिं के भुवपाल कहावत हैं भुव पालि न जाई।

भूपन की तुम ही धरि देह विदेहन में कल कीरति गाई।

केशव भूषण की भुवि भूषण भू-तन ते तनया उपजाई॥

(ग) वैसे ही चितैकै मेरे चित्त को चुरावती हौ,

बोलती हौ वैसे ही मधुर मृदु बानि सौं;

कवि 'मतिराम' अंक भरत मयंकमुखी,

वैसे ही रहत गहि भुज-लतिकानि सौं।

चूमति कपोल, पान करत अधर-रस,

वैसे ही निहारियत सकल कलानि सौं;

कहां चतुराई ठानियत ? प्रानप्यारो तेरो,

मान जानियत रूखी मुख-मुसकानि सौं॥

(घ) गोरिन को गुन गर्वसु सर्वसु, ग्वारि गमावन हारि लखी तू।

वातन हीं घर जात, घने उतपातन की निधि मैं निरखी तू॥

ल्याई भुलाई सु मेरिये भूल, चली अपने मुख माड़ि मखी तू।

प्रीतम मीत अमीत सुने नहिं, होति कहूँ सोई सौति सखी तू॥

2. रीतिकाल की कविता के उद्दश्य पर प्रकाश डालिए। 10

3. मध्ययुगीन हिन्दी नीतिकाव्य का परिचय देते हुए उनकी विशेषताएँ बताइए। 10

4. केशव की कविता के कलापक्ष पर सोदाहरण विचार कीजिए। 10

5. मतिराम के प्रकृति-वर्णन की विशेषताएँ बताइए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) चिन्तामणि त्रिपाठी

(ख) देव की कविता में प्रकृति

(ग) रहीम के काव्य में प्रेम तत्व

(घ) मिश्रबंधु विनोद